वार्षिक प्रतिवेदन

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर (हि. प्र.)

२०१९-२०

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामयाः

डॉ. हर्ष वर्धन

माननीय केंद्रीय मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
भारत सरकार

श्री अश्विनी कुमार चौबे

माननीय राज्य मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
भारत सरकार

एम्स बिलासपुर एक नजर में

मार्च २०२० तक की तारीख

परियोजना विवरण

कैबिनेट अनुमोदन की तिथि	:	०३ जनवरी २०१८
परियोजना की स्वीकृत लागत (संशोधित)	:	१४७१.०४ करोड़ रुपये।
कुल भूमि क्षेत्र	:	२४७ एकड़
कार्यकारी एजेंसी	:	मेसर्स एनबीसीसी (आई) लिमिटेड
ईपीसी ठेकेदार	:	मेसर्स एनसीसी लिमिटेड
प्रोक्योरमेंट सपोर्ट एजेंसी	:	HITES
प्रारंभ की तिथि (संविदात्मक)	:	२४.०१.२०१९
पूरा होने की तिथि	:	३०.०६.२०२२

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर (हि.प्र.)

परिचय

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर, को एक रास्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'प्रधान मंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना' के चरण-V के अंतर्गत स्थापित किया जा रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य देश में सस्ती व विश्वसनीय तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य सेवा की उपलब्धता में असंतुलन को दूर करना है। साथ ही अल्प-सेवा वाले राज्यों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के लिए सुविधाओं में वृद्धि करना भी योजना का मूल उद्देश्य है । इस परियोजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा ०३ जनवरी, २०१८ को मंजूरी दी गई थी। इसके बाद, भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी ने ०३ अक्टूबर, २०१७ को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर की आधारशिला रखी। श्री जेपी नड्डा जी और हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर जी ने तत्पश्चात भूमि पूजन किया। परियोजना को ३ चरणों में विकसित किया जाएगा। वर्तमान में, हिमाचल प्रदेश के जिला बिलासपुर के कोठीपुरा गांव में राष्ट्रीय राजमार्ग- २०५ (शिमला-कांगड़ा) पर लगभग २४७ एकड़ भूमि में चरण १ का निर्माण कार्य चल रहा है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर, सभी आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस १५-२० सुपर स्पेशियलिटी विभागों के साथ ७५० बिस्तरों वाला अस्पताल होगा।

मिशन वक्तव्य

- चिकित्सा शिक्षा के उच्चतम मानकों का प्रदर्शन करके और प्रशिक्षण और स्वतंत्र सोच को प्रोत्साहित करके उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करना।
- बहुविषयक सहयोगात्मक अनुसंधान को सुगम बनाकर आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में उदाहरण पेश करना।
- विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश के लोगों को और व्यापक पहलू में राष्ट्र को , उन्नत तृतीयक स्तरीय स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करना।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामया

अध्यक्ष का सन्देश

एक राष्ट्र के स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए गुणवत्ता, न्यायसंगत और लागत प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल आवश्यक है। उच्च कोटी के चिकित्सक तैयार करने के लिए उच्च चिकित्सा शिक्षा की आवश्यकता होती है। भारत ने स्वास्थ्य सेवा में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन अभी बहुत कुछ हासिल करना बाकी है। भारत सरकार ने शीर्ष स्तर की चिकित्सा शिक्षा और उच्चतम स्तर की रोगी देखभाल प्रदान करने के लिए पूरे देश में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान स्थापित करने के लिए एक प्रशंसनीय परियोजना शुरू की है । अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर इस संबंध में एक अन्य संस्थान है, जिसे हिमाचल प्रदेश राज्य में स्थापित किया जा रहा है। यह हमारे समाज के एक बड़े वर्ग की सेवा करेगा और निकट भविष्य में उन्हें सर्वोत्तम चिकित्सा देखभाल प्रदान करेगा। यह संस्थान देश में एक उच्च श्रेणी के चिकित्सा महाविद्यालय के रूप में मेडिकल सीटों की संख्या में बढ़ोतरी करेगा, जिससे चिकित्सक बनने के इच्छुक विद्यार्थियों को लाभ होगा। यह एक अत्याधुनिक शैक्षणिक संस्थान होगा, जिसमें ७५० बिस्तरों वाला शिक्षण अस्पताल होगा जिसमें २० उत्कृष्ट विशेषज्ञ विभाग होंगे। यह 100 एमबीबीएस छात्रों और ६० बीएससी नर्सिंग छात्रों के वार्षिक प्रवेश के साथ शीर्ष श्रेणी के चिकित्सा पाठ्यक्रम पेश करेगा। परियोजना की स्वीकृत लागत १४७१ करोड़ रु. है तथा यह २४७ एकड़ जमीन पर निर्मित किया जाएगा । यह परियोजना फरवरी २०१९ में शुरू की गई थी और इसके जून २०२२ तक पूरा होने की संभावना है। कुल स्वीकृत पद ११५३ हैं, जिनमें १८३ संकाय पद और ९७० गैर-संकाय पद शामिल हैं। हमें उम्मीद है कि आने वाले वर्ष में हमारे पास एमबीबीएस छात्रों का पहला बैच होगा।

हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और हमारे आदरणीय स्वास्थ्य मंत्री श्री. जेपी नड्डा जी का सपना हमारे वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन जी के मार्गदर्शन से जल्द ही साकार हो जाएगा। यह संस्थान इनके सहयोग से पूरी तरह कार्यात्मक हो जाएगा और एक विश्व स्तरीय

संस्थान के रूप में विकसित होगा । एक सरकार अपने प्रभावी नेतृत्व और दूरदृष्टि के लिए जानी जाती है, जिसे हम प्रत्यक्ष रूप से देख रहे हैं। मैं भारत सरकार और उसके नेतृत्व का आभारी हूं, कि उन्होने मुझे इस संस्थान का पहला अध्यक्ष होने का सम्मान दिया। मैं इस बड़ी जिम्मेदारी को निभाने की पूरी कोशिश करूंगा। मैं उन सभी लोगों को दिल की गहराईओं से धन्यवाद देता हूं जो इस संस्थान की प्रगति में शामिल हैं। हिमाचल प्रदेश सरकार और उसका नेतृत्व पर्याप्त भूमि, पानी और बिजली जैसे प्रमुख संसाधन उपलब्ध कराकर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर की स्थापना में उसकी उल्लेखनीय मदद के लिए प्रसंशा के पात्र है।

हम इस संस्थान को एक प्रतिष्ठित तृतीय श्रेणी चिकित्सा सेवा महाविद्यालय, शिक्षा में उत्कृष्टता का केंद्र व बहु-विषयक स्थानीय और वैश्विक सहयोग के साथ अनुसंधान का केंद्र बनाने का प्रयास करेंगे।

इस परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए मेरी शुभकामनाएं ताकि यह हिमाचल प्रदेश के लोगों को जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना शुरू कर सके।

जय हिन्द।

डॉ प्रमोद गर्ग
अध्यक्ष
अ.भा.आ.सं. बिलासपुर (हि प्र)

निदेशक की रिपोर्ट

भारत के सभी लोगों को गुणवत्तापूर्ण और सस्ती स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के श्री अटल बिहारी वाजपेयी के दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ते हुए, श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली भारत सरकार ने प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल की कमीवाले क्षेत्रों के लिए नए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानो की घोषणा की। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना का उद्देश्य सस्ती/विश्वसनीय तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करना और देश में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के लिए सुविधाओं में वृद्धि करना है। एम्स बिलासपुर भौगोलिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण हिमाचल प्रदेश को वहनीय, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए पीएमएसएसवाई चरण-V के तहत स्थापित ऐसे एम्स में से एक है। यह संस्थान हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के कोठीपुरा गांव में एनएच २०५ (शिमला-कांगड़ा राजमार्ग) पर २४७ एकड़ (९९.९६ हेक्टेयर) भूमि पर स्थापित किया जा रहा है।

राष्ट्रीय महत्व के इस संस्थान कीआधारशिला ०३ अक्टूबर, २०१७ को भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा रखी गई थी। इसके बाद २१ जनवरी २०१९ को माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे पी नड्डा जी और हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर जी ने भूमिपूजन किया।

परियोजना को ३ चरणों में विकसित किया जा रहा है। वर्तमान में प्रथम चरण का कार्य चल रहा है, जिसमें एम्स बिलासपुर को ७५० बिस्तरोंवाला अस्पताल बनाने का प्रस्ताव है, जिसमें सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित १५-२० सुपरस्पेशियलिटी विभाग, एक मेडिकल कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज है। स्वास्थ्य सेवा वितरण को और बढ़ाने के लिए, एम्स बिलासपुर द्वारा हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा के आस-पास के राज्योंमें सस्ती और विश्वसनीय तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए बाद के चरणों में विभिन्न सुपर-स्पेशियलिटी विभागों के विस्तार के माध्यम से सेवाओं के स्पेक्ट्रमको व्यापक बनानेकी संभावना है।

पी.जी.आई.एम.ई.आर. को एम्स बिलासपुर के सलाहकार संस्थान के रूप में पीएमएसएसवाईआदेश संख्या जेड-२८० १६/३४१२०१७-पीएमएसएसवाई-III दिनांक ०५ नवंबर २०१८ द्वारा स्थापित होने की प्रक्रिया में संस्थानको संभालने, समर्थन और मार्गदर्शन करने के लिए नियुक्त किया गया था।

वर्ष २०१९-२० के दौरान पी.जी.आई.एम.ई.आर. ने नियुक्त नोडल अधिकारी डॉ. राकेश सहगल, प्रोफेसर और प्रमुख, पैरासिटोलॉजी विभाग, पी.जी.आई.एम.ई.आर. चंडीगढ़ के माध्यम से एम्स बिलासपुर की निर्माण गतिविधियोंका निरीक्षण किया, जिन्होंने डीडीए (साइट पर मौजूद) और कार्यकारी एजेंसी से नियमित तौर पर अद्यतन स्थिति का ब्योरा लिया और परामर्श प्रदान किया तथा आवश्यक अनुमोदन, वित्तपोषण और मंजूरी आदि में सहायता प्रदान की । सलाहकार संस्थान के रूपमें, पी.जी.आई.एम.ईआर. ने समूह ए संकाय पदों की पहली भर्ती विज्ञापन संख्या पीजीआई/आरसी/२०१९/०१२/४६४१ दिनांक ०२.११.२०१९ के माध्यम से की।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और हिमाचल प्रदेश सरकार के समर्थन से, एम्स बिलासपुर जल्द ही हिमाचल प्रदेश के लोगों को गुणवत्तापूर्ण और सस्ती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना शुरू कर देगा इस बात का मुझे पूर्ण विश्वास है।

वित्तीय वर्ष २०१९-२० की लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के साथ वार्षिक प्रतिवेदन एवं वित्तीय विवरण प्रस्तुत करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है।

जय हिन्द।

प्रो. जगत राम
निदेशक, एम्स, बिलासपुर

CONTENTS

क्र. संख्या	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
A	**संस्थान एवं समितीयॉ**	**०१**
B	**वार्षिक रिपोर्ट २०१९ – २०**	
I	प्रगति रिपोर्ट	**०३**
१	निर्माण प्रगति	**०४**
२	आधारभूत संरचना	**०५**
३	जन-शक्ति	**०६**
II	वार्षिक रिपोर्ट	**०७**
III	वित्तीय प्रगति	**०८**
IV	२०१९-२० वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक लेखा और लेखा परीक्षा रिपोर्ट	**०९**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामया

संस्थान निकाय

संख्या	सदस्यों के नाम	पद
१.	प्रो. (डॉ) प्रमोद गर्ग कार्यकारी निदेशक, अनुवाद स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, फरीदाबाद प्राध्यापक, जठरांत्ररोगविज्ञान, एम्स, नई दिल्ली पूर्व सहयोगी संकाय अध्यक्ष (अनुसंधान), एम्स, नई दिल्ली	अध्यक्ष
२.	प्रो. (डॉ.) एस.पी. बंसल कुलपति, हिमाचल प्रदेश प्रौद्यागिकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर	सदस्य
३.	डॉ सुनील कुमार स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
४.	डॉ. डी. स. गंगवार अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
५.	श्री अनिल कुमार खाची मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार	सदस्य
६.	प्रो. गंगाधर महा सचिव (पूर्व), भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ	सदस्य
७.	प्रो. अरविंद राजवंशी निदेशक, एम्स रायबरेली	सदस्य
८.	डॉ. अजय दुसेजा प्राध्यापक, हेपटोलॉजी पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	सदस्य
९.	डॉ. आदर्श चौधरी अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, मेदांता इंस्टिट्यूट ऑफ़ डाइजेस्टिव एंड हेपटोबिलियरी सांईसेज, गुरुग्राम, हरियाणा	सदस्य
१०.	डॉ. अक्षय चंदर धारीवाल सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, दिल्ली	सदस्य
११.	प्रो. पीयूष साहनी प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली	सदस्य
१२.	संसद सदस्य रिक्त	सदस्य
१३.	संसद सदस्य रिक्त	सदस्य
१४.	संसद सदस्य रिक्त	सदस्य
१५.	मानव संसाधन विकास मंत्रालय से नामांकित सदस्य रिक्त	पदेन सदस्य
१६.	प्रो. जगत राम निदेशक, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	सदस्य सचिव

प्रशासन

डॉ. प्रमोद गर्ग
अध्यक्ष

प्रो. जगत राम
निदेशक

प्रशासन

ले. क. एस. एस. नागियाल
उप निदेशक
(प्रशासन)

वित्तीय

श्री कुमार अभय IAAS
वित्तीय सलाहकार

भौतिक प्रगति

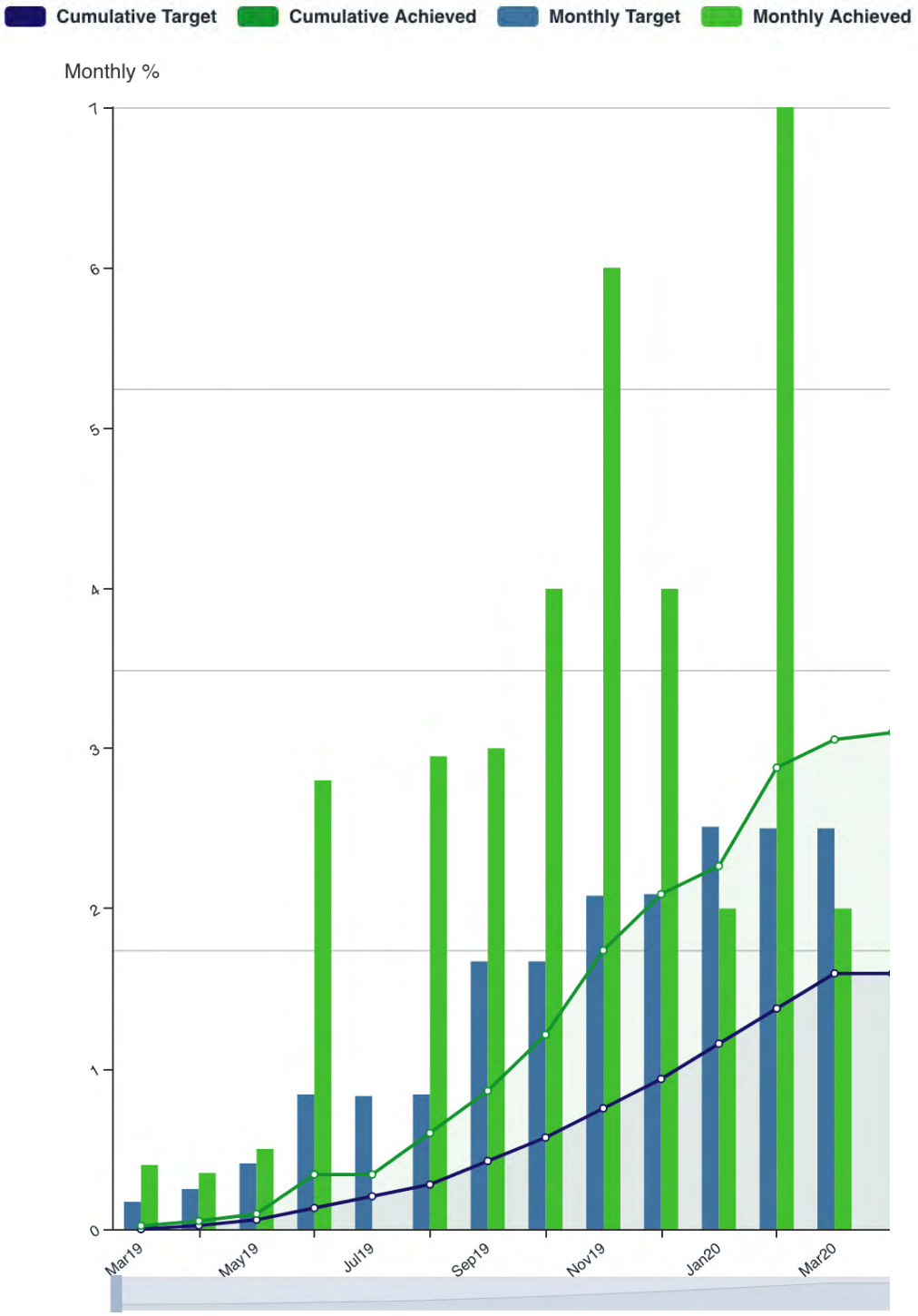
Cumulative Target
Cumulative Achieved
Monthly Target
Monthly Achieved
Monthly %
7
6
5
4
3
2
1
0
Mar19
May19
Jul19
Sep19
Nov19
Jan20
Mar20

निर्माण प्रगति

निर्माणाधीन भवन

क्र. संख्या	भवन का नाम	विन्यास	निर्मित क्षेत्र (वर्ग मीटर)
1.	अस्पताल ब्लॉक - मुर्दाघर, कपड़े धोने और अपशिष्ट प्रबंधन सेवाओं सहित	G+६	७४०३८
2.	मेडिकल और एडमिन ब्लॉक	S+६+५	२३३५०
3.	आयुष भवन	G+१	२८७०
4.	सभागार	G+२	२८५०
5.	निदेशक निवास	G+२	५००
6.	टाइप V हाउसिंग	G+१०	३९१६
7.	टाइप IV हाउसिंग	G+१०	३०६४
8.	टाइप III हाउसिंग	G+४	११७०
9.	टाइप II हाउसिंग (३ ब्लॉक)	G+८	८५७७
10.	क्लब और गेस्ट हाउस	G+३	११४०
11.	पूर्वस्नातक बॉयज छात्रावास	G+६	३९१६
12.	पूर्वस्नातक गर्ल्स छात्रावास	G+३	२०४१
13.	स्नातकोत्तर बॉयज छात्रावास डी१ए	G+७	५९१९
14.	स्नातकोत्तर बॉयज छात्रावास डी१बी	G+६	४८१४
15.	स्नातकोत्तर गर्ल्स छात्रावास डी२ए	G+६	४६१७
16.	स्नातकोत्तर विवाहित छात्रावास डी३ए	G+६	२५२५
17.	स्नातकोत्तर विवाहित छात्रावास डी३बी	G+६	२६०४
18.	उपचारिका छात्रावास	G+७	६०७५
19.	डाइनिंग ब्लॉक (२ ब्लॉक)	G G+१	१३००
20.	रात्रि आश्रय और सुविधाएं	G+१	२०२५
21.	शॉपिंग सेंटर	G	२००
22.	कार पार्क सेवा क्षेत्र	-	७५००

आधारभूत संरचना

जन-शक्ति

०२ नवंबर, २०१९ एम्स बिलासपुर में संकाय पद की भर्ती के लिए और २३ नवंबर २०१९ को वरिष्ठ रेजिडेंट और डेमोंस्ट्रेटर की भर्ती के लिए विज्ञापन पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ द्वारा प्रकाशित किया गया था।

संकाय पद

क्र. संख्या	संकाय पद	विज्ञापित पदों की संख्या
१.	प्राध्यापक	३३
२.	अतिरिक्त प्राध्यापक	२६
३.	सह – प्राध्यापक	३९
४ .	सहायक- प्राध्यापक	८५
	कुल	**१८३**

गैर संकाय पद

क्र. संख्या	प्रकार	स्वीकृत	नियुक्त
१.	वरिष्ठ रेजिडेंट	१६	०२
२.	कनिष्ठ रेजिडेंट	१६	००
३.	उपचारिका	८३३	००
४.	अन्य	१२१	००
	कुल	**९७०**	**०२**

वार्षिक रिपोर्ट २०१९ – २०२०

एम्स बिलासपुर की आधारशिला ३ अक्टूबर, २०१७ को भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी द्वारा के कर कमलो द्वारा हुई। पश्चात, 21 जनवरी, 2019 को माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जेपी नड्डा और हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर ने भूमि पूजन किया। एम्स के निर्माण का ठेका एनबीसीसी (आई) लिमिटेड को दिया गया, जिसने 24 जनवरी, 2019 को साइट पर काम शुरू किया।

हालाँकि, साइट पर काम तेज हो गया जब ६ नवंबर,२०१9 को लेफ्टिनेंट कर्नल एस.एस. नगियाल द्वारा संस्थान को उप निदेशक (प्रशासन) के रूप में शामिल किया गया, जिन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने नवंबर, 2020 में आयुष ब्लॉक और रैन बसेरा, पीजी बॉयज और पीजी मैरिड हॉस्टल को अपने कब्जे में ले लिया।

पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ को एम्स बिलासपुर के लिए पत्र संख्या Z-280/16/3412017-पीएमएसएसवाई-द्वितीय दिनांक ५ नवंबर, २०१८ के माध्यम से सलाहकार संस्थान के रूप में नियुक्त किया गया था। पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ ने २ नवंबर, २०१९ को संकाय पदों की भर्ती के लिए और भर्ती के लिए विज्ञापन प्रकाशित किया था। २३ नवंबर, २०१९ को, वरिष्ठ रेजिडेंट, डेमोंस्ट्रेटर भर्ती के लिए विज्ञापन प्रकाशित किया था।। भर्ती के लिए साक्षात्कार २६ सितम्बर २०२० से १ अक्टूबर २०२० (चरण 1) और ५ अक्टूबर २०२० से ९ अक्टूबर २०२० (चरण - 2) के बीच आयोजित किए गए थे, जिसके लिए उम्मीदवारों को इसके माध्यम से उपस्थित होने का विकल्प दिया गया था। आभासी (ऑनलाइन) मोड या समक्ष रूप से। कुल ५८८ उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया गया, जिनमें से १९२ उम्मीदवार समक्ष रूप से और ३९६ उम्मीदवार ऑनलाइन उपस्थित हुए। परिणाम ६ नवंबर, २०२० को घोषित किए गए थे, जिसमें ८५ उम्मीदवारों का अनंतिम रूप से चयन किया गया था। इनमें से ७० संकाय, मार्च २०२१ तक ज्वाइन कर चुके हैं।

वित्तीय रिपोर्ट

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामयाः

वित्तीय प्रगति २०१९ - २०२०

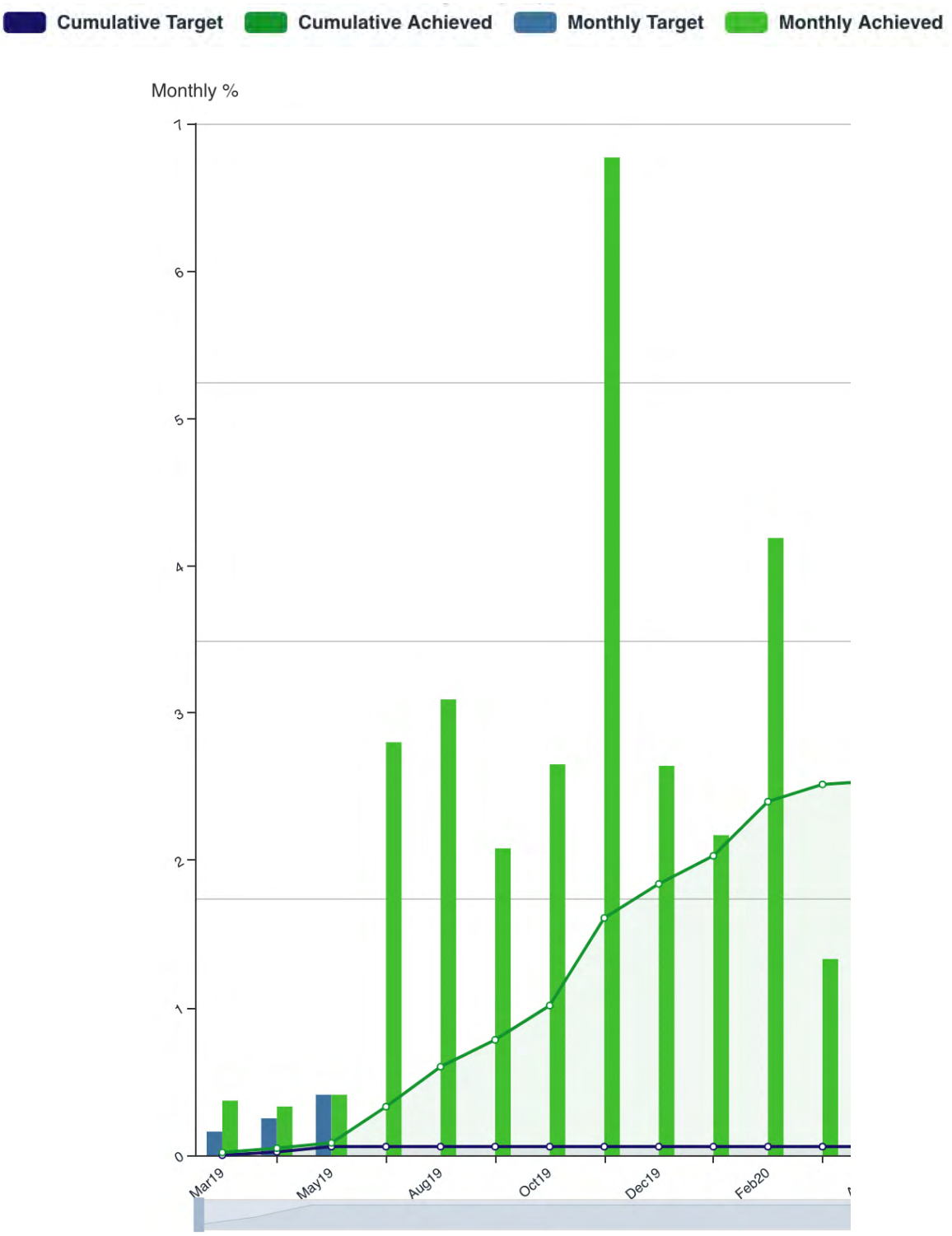

सत्यमेव जयते

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान , बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश -१७४००१
All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur
Himachal Pradesh-174001
https://aiimsbilaspur.edu.in
e-mail:- establishment.aiimsbilaspur@gmail.com
01978-292575

File No: AIIMS-BLS- (C)/15/21-2085 Bilaspur, the 18th Jan 2022

To

Sh. Rakesh Kumar,
Assistant Section officer (PMSSY-V),
Government of India,
Ministry of Health & Family Welfare,
Red Cross Building,
New Delhi

Subject: - Statement of the Annual Accounts & Utilization Certificate in respect of AIIMS-Bilaspur for the financial year 2019-2020.

Sir,

Kindly refer to your office e-mail dated 17 January, 2022 on the subject cited above.

In this regards, it is submitted that the Statement of Annual Account along with Audit Report and Utilization Certificate for the Financial Year 2019-20 pertaining to AIIMS, Bilaspur are enclosed herewith as **Annexure A & B.**

Yours faithfully,

Executive Director,
AIIMS-Bilaspur, H.P.

Enclosure: As Above.

Copy to:-

1. The Financial Advisor, AIIMS, Bilaspur at PGIMER,Chandigarh.
2. The Administrative Officer, AIIMS, Bilaspur.

ANNEXURE - "B"

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर, (हि. प्र.)
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR (H.P.)
(स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित एक स्वायत्त निकाय)
(An autonomous organization under the Ministry of Health & Family Welfare, Govt. of India)

GFR 12 – A

[(See Rule 238 (1)]

UTILIZATION CERTIFICATE

UTILIZATION CERTIFICATE FOR THE YEAR 2019-2020 in respect of AIIMS Bilaspur

(In Lakh)

1. Name of the Scheme: GRANTS-IN-AID/Salaries/General/Creation of Capital Assets
2. Whether recurring or non-recurring grants: Recurring
3. Grants position at the beginning of the Financial year :
   (i) Cash in Hand/Bank : NIL
   (ii) Unadjusted advances : NIL
   (iii) Total : NIL
4. Details of grants received, expenditure incurred and closing balances:

Unspent Balances ofGrants received years [figure as atSl. No. 3 (iii)	Interest Earned thereon	Interest deposite dback to the Govern-ment	Grant received during the year			Total Available funds (1+2-3+4)	Expenditure incurred	Closing Balances(5-6)
1	2	3	4			5	6	7
			SanctionNo. (i)	Date (ii)	Amount (iii)			
NIL	-	-	G 22011/02/2017-PMSSYV-Part (1)	20.11.2019	50.00	50.00	13.40	36.60
NIL	-	-	G 22011/02/2017-PMSSYV-Part (1)	20.11.2019	50.00	50.00	0	50.00
NIL	-	-	G 22011/02/2017-PMSSYV-Part (1)	20.11.2019	50.00	50.00	1.01	48.99

Component wise utilization of grants:

Grant-in-aid-General	Grant-in-aid-Salary	Grant-in-aid-creation of capital assets	Total
1.01	13.40	NIL	135.59

Details of grants position at the end of the year

(i) Cash in Hand/Bank : 135.59 Lakh

(ii) Unadjusted Advances : NIL

(iii) Total : 135.59 Lakh

Certified that I have satisfied myself that the conditions on which grants were sanctioned have been duly fulfilled/are being fulfilled and that I have exercised following checks to see that the money has been actually utilized for the purpose for which it was sanctioned:

(i) The main accounts and other subsidiary accounts and registers (including assets registers) are maintained as prescribed in the relevant Act/Rules/Standing instructions (mention the Act/Rules) and have been duly audited by designated auditors. The figures depicted above tally with the audited figures mentioned in financial statements/accounts.

(ii) There exist internal controls for safeguarding public funds/assets, watching outcomes and achievements of physical targets against the financial inputs, ensuring quality in asset creation etc. & the periodic evaluation of internal controls is exercised to ensure their effectiveness.

(iii) To the best of our knowledge and belief, no transactions have been entered that are in violation of relevantAct/Rules/standing instructions and scheme guidelines.

(iv) The responsibilities among the key functionaries for execution of the scheme have been assigned in clear terms and are not general in nature.

(v) The benefits were extended to the intended beneficiaries and only such areas/districts were covered where the scheme was intended to operate.

(vi) The expenditure on various components of the scheme was in the proportions authorized as per the schemeguidelines and terms and conditions of the grants-in-aid.

(vii) It has been ensured that the physical and financial performance under Grant-in-Aid has been according to the requirements, as prescribed in the guidelines issued by Govt. of India and the performance/targets achieved statement for the year to which the utilization of the fund resulted in outcomes given at Annexure – I duly enclosed.

(viii)The utilization of the fund resulted in outcomes given at Annexure - II duly enclosed (to be formulated by the Ministry/Department concerned as per their requirements/specifications.) NOT APPLICABLE

(ix) Details of various schemes executed by the agency through grants-in-aid received from the same Ministry or from other Ministries is enclosed at Annexure -II (to be formulated by the Ministry/Department concerned as per their requirements/specifications). NOT APPLICABLE

Signature : Abhay	Signature :
कुमार अभय,आई.ए.ए.एस/Kumar Abhay,IAAS वित्तीय सलाहकार/Financial Advisor एम्स बिलासपुर/AIIMS, Bilaspur	Prof (Dr.) V.S. Negi Executive Director & CEO All India Institute of Medical Sciences Bilaspur, Himachal Pradesh-174001
Designation: Financial Advisor, AIIMS Bilaspur	Designation: Executive Director, AIIMS Bilaspur
Dated :	*Dated* 05/01/2022

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2020

(Amount in Rs.)

Particulars	Schedule	Current Year	Previous Year
INCOME			
Income from Sales/Services	12	-	-
Grant/Subsidies	13	1,441,654.00	-
Fees/Subscriptions	14	-	-
Income from Investments (Income on Invest. From earmarked/endow. Funds transferred to Funds)	15	-	-
Income from Royality, Publications	16	-	-
Interest Earned	17	-	-
Other Income	18	-	-
Increases/Decrease of Finished Goods & WIP	19	-	-
TOTAL (A)		**1,441,654.00**	-
EXPENDITURE			
Establishment Expenses	20	1,431,654.00	-
Other Administrative Expenses	21	1,001,600.00	-
Expenditure on Grants, Subsidies etc.	22	-	-
Interest	23	-	-
Depreciation (Net total at the year end corresponding to Sch.-8)		-	
TOTAL (B)		**2,433,254.00**	-
Balance being excess of Income over Expenditure	(A-B)	**-991,600.00**	-
Transfer to Special Reserve (Specify each)			-
Transfer to/ from General Reserve		-	-
BALANCE BEING SURPLUS/(DEFICIT) CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND		-991,600.00	
Significant Accounting Policies	25		
Contingent Liabilities & Notes on Accounts	26		

Place :Chandigarh
Date : 29/06/2020

(Kumar Abhay, IAAS)
Financial Advisor, AIIMS BILASPUR

(Prof. JAGAT RAM)
Director, AIIMS BILASPUR

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR

BALANCE SHEET AS AT 31.03.2020

(Amount in Rs.)

Particulars	Schedule	Current Year	Previous Year
Corpus/Capital Fund and Liabilities			
Corpus/Capital Fund	1A	682,238,728.00	-
Reserve & Surplus	2	1.00	-
Earmarked/Endowment/Corpus Fund	3	13,558,346.00	-
Secured Loans & Borrowings	4	4,047,448,438.00	-
Unsecured Loans & Borrowings	5	-	-
Deferred Credit Liabilities	6	-	-
Current Liabilities & Provisions	7	264,501,600.00	-
TOTAL		**5,007,747,113.00**	-
ASSETS			
Fixed Assets - Net Block	8	1.00	-
Investment - From Earmaked/Endowment Fund	9	-	-
investment -Others	10	-	-
Current Assets, Loans , Advances etc.	11	5,007,747,112.00	-
Miscellaneous Expenditure- Incidental		-	-
TOTAL		**5,007,747,113.00**	-
Significant Accounting Policies	24		
Contingent Liabilities & Notes on Accounts	25		

Place : Chandigarh
Date : 29/06/2020

(Kumar Abhay, IAAS)
Financial Advisor, AIIMS BILASPUR

(Prof. JAGAT RAM)
Director, AIIMS BILASPUR

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR

CONSOLIDATED RECEIPT & PAYMENT FOR THE YEAR 01-04-19 TO 31-03-2020

(Amount in Rs.)

RECEIPTS	Current Year 31.03.2020	Previous Year 31.03.2019	PAYMENTS	Current Year 31.03.2020	Previous Year 31.03.2019
Opening Balance - Institute			**Expenses Institute A/c**		
Canara Bank Escrow Account	1,000,000.00	-	**Administrative Expenses**		
Canara Bank Grant Receivable Account	262,500,000.00	-	Travel Expenses	91,252.00	-
Grant in Aid (GOI) Instl. A/c				-	
Grant-in-Aid (For salary)	5,000,000.00		**Establishment Expenses**		
Grant-in-Aid (For General)	5,000,000.00		Salary & Wages	1,340,402.00	
Grant-in-Aid (For Creation of capital assets)	5,000,000.00		**Closing Balance Institute**		
			Imprest with S.S Nagiyal	10,000.00	
			Receivable from PGI	13,626,742.00	
			Canara Bank Grant Receivable	262,500,000.00	
			Canara Bank Escrow A/c	931,604.00	
TOTAL	278,500,000.00	-		278,500,000.00	-

Place : Chandigarh
Date : 29/06/2019

(Kumar Abhay, IAAS)
Financial Advisor, AIIMS BILASPUR

(Prof. JAGAT RAM)
Director, AIIMS BILASPUR

ANNEXURE – "A"

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय), चण्डीगढ़
Indian Audit & Accounts Department
Office of The Principal Director of Audit (Central), Chandigarh

सत्यमेव जयते

सं०/No: पी.डी.ए.सी.के व्यय/SAR AIIMS Bilaspur/2019-20/2020-21/ 3378 दि०/Dated: 26/3/2021

सेवा मे,

सचिव,
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार, निर्माण भवन,
नजदीक उद्योग भवन मेट्रो स्टेशन,
मौलाना आज़ाद रोड, नई दिल्ली,
नई दिल्ली – 110001

विषय: **All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Bilaspur (Himachal Pradesh) के वर्ष 2019-20 के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन**

महोदय,

कृपया All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Bilaspur (Himachal Pradesh) के वर्ष 2019-20 के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (Separate Audit Report) संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु सलंग्न पायें | संसद में प्रस्तुत होने तक प्रतिवेदन को गोपनीय रखा जाए|

संसद में प्रस्तुत करने के उपरांत प्रतिवेदन की पांच प्रतियाँ इस कार्यालय को भी भेज दी जाएँ|

कृपया इस पत्र की पावती भेजें|

भवदीय

संलग्न: उपरोक्त अनुसार

– हस्ता –

प्रधान निदेशक

उपरोक्त की प्रतिलिपी वर्ष 2019-20 की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की प्रति सहित आवश्यक कार्यवाही हेतु Financial Advisor, Post Graduate Institute of Medical Education and Research (PGIMER) Chandigarh-160012 को प्रेषित की जाती है|

भवदीया,

उप निदेशक (केन्द्रीय व्यय)

प्लाट न. 20-21, सेक्टर - 17ई, चण्डीगढ़ - 160017

(158)

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Bilaspur (Himachal Pradesh) for the year ended 31 March 2020

We have audited the Balance Sheet of the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Bilaspur (Himachal Pradesh) as at 31 March 2020, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account for the year ended on that date under Section 19 (2) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 18 (2) of the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Act, 1956. These financial statements are the responsibility of the Institute's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/ CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

ii) The Balance Sheet and Income and Expenditure Account/Receipts and Payments Account dealt with by this Report have been drawn up in the uniform format approved by the Ministry of Finance. Government of India.

1

149

iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Bilaspur (Himachal Pradesh) in so far as it appears from our examination of such books.

iv) We further report that:

A. **Balance Sheet**
Assets
Loans, Advances and Other Assets
Advances and other amounts recoverable in cash or kind or value to be received
a) On Capital Account: ₹449.87 crore

i) Above wrongly includes Capital Work-in-Progress (as on 31.03.2020) of ₹427.93 crore to the extent of expenditure on capital work incurred by the executing agency. This has resulted in overstatement of Current Assets, Loans & Advances and understatement of Capital Work in Progress under Fixed Assets by ₹427.93 crore each.

ii) Above wrongly includes ₹18.85 crore on account of Ayush Building completed as on 31.03.2020, which should have been booked under Fixed Assets. This has resulted in understatement of Fixed Assets by ₹18.47 crore, understatement of depreciation by ₹0.38 crore and overstatement of Current Assets, Loans & Advances by ₹18.85 crore.

b) HEFA Interest to be Capitalised:₹23.19 crore

As per accounting standard 10, borrowing costs that are directly attributable to the acquisition, construction or production of a qualifying asset should be capitalised as part of the cost of that asset.

Above includes an amount of ₹15.82 crore (₹23.19 crore minus ₹7.37 crore), which has been paid by the Institute against HEFA Loan Interest payment and is correctly shown under Corpus/ Capital Fund (₹1.97 crore plus ₹13.85 crore). However, in accordance with AS-10, this amount of ₹15.82 crore should have also been shown under Capital Work in Progress, instead of under Current Assets, Loans and Advances etc. This has resulted in overstatement of Current Assets, Loans & Advances etc and understatement of Capital Work in Progress by₹15.82 crore.

Further, a reference is invited to Sr.No.4 wherein it has been stated that the amount released to the executing agency for construction has been shown as Capital WIP in Schedule 8 and the interest paid on loan has not been capitalized during the current

(148)

Financial Year and is included in the value of Capital WIP. However, in the Annual Accounts, amount released to the executing agency has not been shown as Capital Work-in-Progress under Schedule 8; instead, it is shown as Advance on Capital Account-NBCC Limited under Schedule 11.Also, the interest paid on loan has also been capitalized. Thus, note depicted in respect of the amount released to the executing agency is contradictory to the accounting treatment given.

B. Income & Expenditure Account
Expenditure
Other Administrative Expenses (Schedule 21): ₹10.01 lakh

Above wrongly includes stamp duty to HEFA towards the HEFA Loan Agreement taken for construction of the Institute. This should have been booked under Capital Work-in-Progress, till the completion of buildings. This has resulted in understatement of Capital Work-in-Progress and overstatement of Administrative Expenses by ₹10.01 lakh.

C. Net impact of Audit comments

Net impact of Audit comments on the Annual Accounts of the Institute for the year ending 31 March 2020 is as under:

i Assets overstated by ₹0.28 crore;
ii. Corpus/Capital Fund overstated by ₹0.28 crore.
iii. Deficit understated by ₹0.28 crore.

D. General

D.1 The Institute has not prepared Significant Accounting Policies. The Institute has not depicted policy regarding the basis of preparation of Annual Accounts. The other requisite policies e.g. valuation of inventory have also not been annexed which are required as per Uniform Format of Accounts prescribed for Autonomous Bodies.

D.2 No separate Bank account has been opened for keeping the grants received from Ministry during 2019-20.

D.3 Grants Register has not been maintained.

D.4 Records relating to ownership of land was not provided.

147

E. Grant-in-Aid

The position of Grant-in-Aid of the Institute as on 31.03.2020 is as under:-

(Amount in ₹ lakh)

Particulars	OH-31	OH-35	OH-36	Total
Opening Balance	--	--	--	--
Add: Grants received during the year	50.00	6882.30(50.00+ 5250.00 +1582.30)	50.00	6982.30
Total available funds	50.00	6882.30	50.00	6982.30
Utilization as on 31.03.2020	13.40	6832.30(5250.00 + 1582.30)	1.01	6846.71
Unutilized balance as on 31.03.2020	36.60	50.00	48.99	135.59[1]

F. Management letter

Deficiencies which have not been included in the Audit report have been brought to the notice of the Institute's management through a management letter issued separately for remedial/ corrective action.

v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of theAll India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Bilaspur (Himachal Pradesh) as at 31 March 2020; and

[1]Excluding advance grant received of₹2625.00 lakh which has been kept by the Institute with Canara Bank against the HEFA Loan (refer Schedule 7 and Schedule 11)-.

135.59=1,35,58,346/

146

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account, of the deficit for the year ended on that date.

For and on behalf of the C & AG of India

Principal Director of Audit (Central), Chandigarh

Place: Chandigarh
Date 25/3/21

5

145

Annexure to Audit Report

1. **Adequacy of System of Internal Audit**

There is no system of internal audit in place during the year 2019-20.

2. **Adequacy of Internal Control System**

Internal Control System is considered inadequate, as:-

a) The Institute has not prepared its Accounting Manual.

b) No separate account for the grants was opened.

3. **System of Physical Verification of Fixed Assets (including Library books)**

The Institute has no fixed assets as on 31.03.2020.

4. **System of Physical Verification of Inventories**

The Institute has no inventory as on 31.03.2020.

5. **Regularity in payment of statutory Dues.**

As per books of Accounts, the Institute was regular in depositing statutory dues.

25/3/21

Dy. Director

6

सुशील कुमार ठाकुर, आई.ए.ए.एस.
Sushil Kumar Thakur, IAAS

सत्यमेव जयते

D.O. No: PDA (C)/CE/SAR/AIIMS Bilaspur/20-21/33

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय), चण्डीगढ़
PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT (CENTRAL)
CHANDIGARH

दिनांक/ Date: 25.03.2021 26

(144)

Dear Prof. Ram,

The audit of annual accounts of All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Bilaspur for the year ended 31 March 2020 was conducted and audit comments in respect of the same have been reported through the Separate Audit Report. However, certain deficiencies noticed which have not been included in the Separate Audit Report, but nevertheless are significant (as detailed in the annexure), are being brought to your attention, for remedial /corrective action.

You are requested to take corrective measures in this regard.

Warm regards

Yours sincerely,

Dr. Jagat Ram,
Director,
Post Graduate Institute of Medical Education and Research,
Chandigarh

Encl: As above

प्लाट नं0:20, लेखा भवन, सैक्टर- 17 ई, चण्डीगढ़ - 160 017. Plot No: 20, Lekha Bhawan ...
दूरभाष /Tel: 0172- 2782020, 2782022 ...

143

Annexure to Management Letter

A. **Balance Sheet**

Corpus/ Capital Fund and Liabilities

Current Liabilities & Provisions (Sch.7): ₹26.45 crore

c) Salary Payments – Nil

Above does not include salary of ₹1.88 lakh for the month of March 2020 which has been paid during 2020-21. Outstanding Liability of Rs.1.88 lakh should have been booked. Non-provision of the salary has resulted in understatement of Current Liabilities & Provisions.

Dy. Director

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामयाः